>

Title: Regarding erecting a memorial in honour of Madari Pasi, a social reformer in pre-independence era, in Hardoi district of Uttar Pradesh .

श्री अशोक कुमार रावत (मिसरिख): सामाजिक क्रांति के अमर सेनानी जननायक मदारी पासी सामंत जमींदार या साधन संपन्न व्यक्ति नहीं थे। वह दलित वर्ग के पासी समाज के एक साधारण किसान के पुत्र थे। उनका जन्म उ0प्र0 राज्य के हरदोई जिला की सण्डीला तहसील के ग्राम मोहन खेड़ा में वर्ष 1860 में हुआ था। उन्होंने मनुवादी असमानतापूर्ण वर्ण व्यवस्था को सहते हुए अवध के संपूर्ण किसानों और मजदूरों की अस्मिता की समस्या के समाधान हेतु एका आंदोलन का नेतृत्व किया और समाज को सही दिशा देकर मानव जीवन में सत्या और अहिंसा का प्रचार प्रसार किया। उस दौरान दलित समाज ब्राह्मणी सामाजिक व्यवस्था के कारण उत्पीड़न, शोषण, असमानता, विषमता, अन्याय और अत्याचार सहने को विवश था।

मदारी गांव के शूद्र समाज की दयनीय दशा से चिंतित और दुखी थे। मनुवादी अन्यायपूर्ण सामाजिक वर्ण व्यवस्था के कारण उन्हें अछूत माना जाता था। उन्हें छूना ही नहीं देखना भी पाप माना जाता था तथा उन्हें अनेक घृणात्मक नामों से पुकारा जाता था। उन पर अनेक प्रतिबंध लगाये गए थे। वह सार्जजनिक तालाब के पास नहीं जा सकते थे और मंदिरों में भी प्रवेश नहीं कर सकते थे। दलित समाज का हर व्यक्ति गांव के साहूकारों के कर्ज में डूबा हुआ था। उसकी दयनीय दशा का मुख्य कारण धार्मिक कर्मकाण्ड, फिजूलखर्ची और नशीली वस्तुओं का अधिकाधिक सेवन था। उनकी अज्ञानता, अंधविश्वास और शिक्षा की कमी भी उनकी निर्धनता को बढ़ाती थी।

मदारीपासी समाज की पंचायतों में नशा न करने, आमदनी से अधिक खर्च न करने और कर्ज न लेने की सलाह देते थे और उसकी बुराइयों को भी प्यार से समझाते थे। सामाजिक कार्यों में मदारी की गरिमा समाज में बढ़ी। आज सामाजिक विकास और मानव कल्याण हेतु उनके आदर्शमय संदेशों और क्रांतिकारी विचारों के व्यापक प्रचार-प्रसार की अति आवश्यकता है।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि वह मदारी पासी, जिन्होंने दलित और शोषित समाज में साहस, स्वाभिमान, स्वावलंबन, सहअस्तित्व की सुरक्षा के प्रति ललक और जागरूकता पैदा की और साधारण जनता में भाई चारा, देशभक्ति कर्तव्यनिष्ठा और मानव कल्याणकारी भावना को बढ़ाने का साहसपूर्ण कार्य किया, उनकी स्मृति में उ0प्र0 राज्य के हरदोई तहसील सण्डीला के गांव पहाड़पुर अटरिया में उनका भव्य स्मारक बनाकर निकटवर्ती क्षेत्र का केंद्रीय स्तर पर तीव्र विकास किए जाने हेतु आवश्यक कदम उठाए।